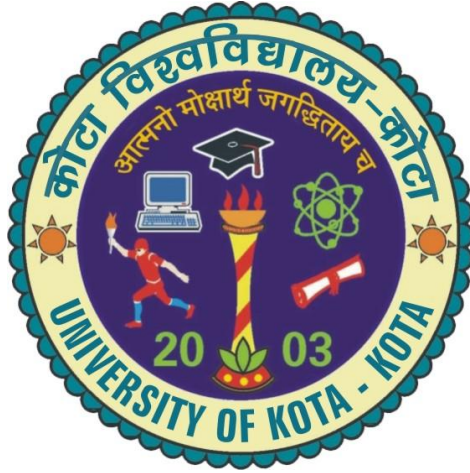


Syllabus and Course Scheme

Academic year 2023-24



BA – Sanskrit Exam.-2024

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

द्वितीय वर्ष संस्कृत – 2023

प्रथम प्रश्न पत्र – नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

समय 3 घंटे

न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36

पूर्णांक –100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक—10**

खण्ड ब— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक—50**

खण्ड स— प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक—40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (एक से चार अंक)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पांच से सात अंक)
3. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छंद)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास
5. व्याकरण – कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई – अभिज्ञानशाकुन्तलम् स किन्हीं दो श्लोको में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या करनी।

द्वितीय इकाई – अभिज्ञानशाकुन्तलम् से किन्हीं चार सूक्तियों में से दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी।

तृतीय इकाई के अंतर्गत दो छन्द, विकल्प, सहित पूछे जायेंगे। छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देना अनिवार्य है। छन्दों के उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे।

चतुर्थ इकाई से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न

पंचम इकाई से किन्हीं दो पदों की (विकल्प सहित) सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि पूछी जायेगी।

खण्ड 'स'

1. प्रथम इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक) में से दो श्लोक में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या। **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग) के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या। **10 अंक**
3. प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' की प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में निर्माण के समय यथासंभव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकत है।

विस्तृत पाठ्यक्रम

इकाई 4

संस्कृत साहित्य का इतिहास:— वीर काव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक—साहित्य, कथा—साहित्य, राजस्थान का संस्कृत साहित्य (वि) षे अध्ययन— भट्ट मथुरानाथ भास्त्री, पं. गिरिधर भार्मा नवरत्न, पं. श्रीराम दवे, पं. गणे" राम भार्मा, सूर्यनारायण भास्त्री, पद्म भास्त्री)

इकाई 5

कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण— तव्य, तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, प्यत्, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, ल्युट्, क्त्वा, ल्यप्। **निम्नांकित सूत्र**— धातोः, कृत्याः, कर्तरि कृत्, तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, तव्यत्तव्यानीयरः, अचो यत्, इद्यति, पोरदुपधात्, एतिस्तुशास्वृदृजुषःक्यप्, ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्, शास इदङ्हलोः मृजेर्विभाषा, ऋहलोर्ण्यत्, चजोः कुघिण्यतोः, ण्वुलतृचौ, युवोरनाकौ, क्तक्तवतु निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च द, लृटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरण, आने मुक्, तुमुनण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्, कालसमयवेलासु तुमुन्, नपुंसके भावे क्त, ल्युट् च, अलं खल्वाः प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, समासेऽनञ्पूर्वे क्त्वा ल्यप्।

सहायक पुस्तकें —

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् — डा. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या — डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् — डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
4. कालिदास और उनकी काव्य कला — वागीश्वर विद्यालङ्कार
5. कालिदास — डॉ. रमा शंकर तिवारी
6. कालिदास — चन्दबली पाण्डे
7. कालिदास — वी. वी. मिराशी
8. छन्दः प्रकाश — पं. शिवदत्त मिश्र
9. छन्दः प्रवेशिका — (प्रभा हिन्दोटीकोपेता) नई दिल्ली।
10. छन्दोमंजरी — सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास — वाचस्पति गैरोला।
12. संस्कृत साहित्य का इतिहास — डॉ. बलदेव उपाध्याय।

13. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी ।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा ।
15. राजस्थानीयमभिनवसंस्कृतसाहित्यम् (खण्ड 1-5) – सं. डॉ. गंगाधर भट्ट
16. राजस्थानस्याधुनिकाः संस्कृतकथालेखकाः – डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा
17. राजस्थान के कवि – पं. पुरुषोत्तम शर्मा
18. जयपुर संस्कृत काव्य परम्परा – देवर्षि पं. कलानाथ शास्त्री
19. नवोन्मेषः – डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी
20. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधा वल्लभ त्रिपाठी

द्वितीय प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय: 3 घण्टे

न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36

पूर्णांक 100 अंक

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक—10**

खण्ड ब— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक—50**

खण्ड स— प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक—40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त)
2. वैदिक साहित्य (ईशावास्योपनिषद्)
3. गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. समास प्रकरण, लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)
5. व्याकरण— अनुवाद एवं कारक प्रकरण

अंक विभाजन

1. वैदिक साहित्य

30 अंक

ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त

- | | | | |
|----------------|----------------|-------------------|------------------|
| 1. अग्नि (1.1) | 2. वरुण (1.25) | 3. विष्णु (1.154) | 4. इन्द्र (2.12) |
|----------------|----------------|-------------------|------------------|

5. विश्वदेवा (8.58) 6. पुरुष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)

- | | |
|--------------------------------------------------------------|--------|
| 1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार | 10 अंक |
| ईशावास्योपनिषद् स दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 2. गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश | 20 अंक |
| अ. शुकनासोपदेश स दो गद्यांशों को हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| ब. शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न | 10 अंक |

3. (अ) समास प्रकरण में से निर्धारित सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या।

6 अंक

1. सह सुपा 2. अव्ययं विभक्तिसमीपसमृद्धिव्युद्धयर्थाभावात्ययासम्पतिशब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथानुपूर्व्यं यौगपद्यसादृश्यसंपत्तिसाकल्यान्तवचनेषु 3. नदीभिश्च 4. द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्त-पाप्तापन्नैः 5. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन 6. चतुर्थी तदर्थबलिहितसुखरक्षितैः 7. पंचमी भयेन 8. स्तोकान्तिकदूरार्थकृच्छाणि क्तन 9. षष्ठी 10. सप्तमी शौण्डैः 11. तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः 12. संख्यापूर्वो द्विगुः 13. द्विगुरेकवचनम् 14. स नपुंसकम् 15. विशेषणं विशेष्येण बहुलम् 16. उपमानानि सामान्यवचनैः 17. नञ् 18. अनेकमन्यपदार्थे 19. चार्थे द्वन्द्वः 20. पितामात्रा

समस्त प्रकरण में से दो समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धि 4 अंक

(ब) लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण) – 1. लिह् 2. विश्ववाह 3. चतुर् (तीनों लिंगों में)

4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. पञ्चन 7. अष्टन् 8. युष्मद् 9. अस्मद् 10. विद्वस्।
- | | |
|------------------------------------------------------|--------|
| 1. चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 5 अंक |
| 2. सूत्रोल्लेखपूर्वक पाँच पदों की रूप सिद्धि | 10 अंक |

4. (अ) अनुवाद– संस्कृत के 10 अपठित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद 10 अंक

(ब) कारक प्रकरण में निम्नलिखित सूत्र पठनीय है–

1. प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा 2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म 3. कर्मणि द्वितीया 4. तथायुक्तं चानीप्सितम् 5. अकथितं च 6. अधिशीङ्स्थासां कर्म 7. उपान्वध्याङ्वसः 8. अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि 9. अन्तरान्तरेण युक्ते 10. कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे 11. साधकतमं करणम् 12. कर्तृकरणयोस्तृतीया 13. अपवर्गे तृतीया 14. सहयुक्तेऽप्रधाने च 15. येनाङ्गविकारः 16. इत्थंभूतलक्षणे 17. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् 18. चतुर्थी सम्प्रदाने 19. रुच्यर्थानां प्रीयमाणः 20. धारेरुत्तमर्णः 21. स्पृहेरीप्सितः 22. क्रुध्द्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः 23. नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलं वषड्योगाच्च 24. ध्रुवमपायेऽपादानम् 25. अपादाने पचमी 26. जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् 27. भीत्रार्थानां भयहेतुः 28. पराजेरसोढः 29. वारणार्थानामीप्सितः 30. आख्यातोपयोगे 31. भुवः प्रभवः 32. पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम् 33. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च 34. षष्ठो शेषे 35. षष्ठी हेतुप्रयोगे 36. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थहितैः 37. आधारोऽधिकरणम् 38. सप्तम्यधिकरणे च 39. यस्य च

भावेन भावलक्षणम् 40. यतश्च निर्धारणम् 41. पंचमी विभक्ते 42. साधुनिपुणाभ्यामर्चायां सप्तम्यप्रते:

(क) उपर्युक्त में से तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या

9 अंक

(ख) वाक्यों में रेखांकित तीन पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन

6 अंक

सहायक पुस्तके –

1. वेदचयनम्— पं. विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स – एस के तेलतन व बी.बी. चौबे
3. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
4. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
5. वैदिक सूक्त मुक्तावली – डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
6. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
7. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
8. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
9. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
10. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. रामपाल शास्त्री
(सुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्या)
11. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
12. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डा. य” त्वंत कुमार जो” गो
13. संस्कृत में अनुवाद कैसे करे – उमाकान्त मिश्र
14. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
15. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
16. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
17. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
18. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी

तृतीय वर्ष संस्कृत – 2023

प्रथम प्रश्न पत्र – भारतीय धर्म एवं दर्शन

समय 3 घंटे

न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36

पूर्णांक –100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु पश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक—10**

खण्ड ब— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक पश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक—50**

खण्ड स— प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक—40**

विशेष:— प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय, भारतीय दर्शन के सिद्धान्त, श्रीमद्भगवद् गीता और मनुस्मृति में से प्रत्येक पर एक-एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. तर्क संग्रह – अन्नं भट्ट
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
3. रामायण—सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)
4. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)
5. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त

भारतीय दर्शन के निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

- | | |
|---------------------------------------|---------------------------------|
| (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ | (ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद |
| (स) योग दर्शन का ईश्वरवाद | (द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद |
| (य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप | (र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद |
| (ल) पूर्वमीमांसा में धर्मस्वरूप | (व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा |
| (ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद | (च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद |

खण्ड—(ब)

- इकाई—1 तर्कसंग्रह के दो खण्डों में से एक की संस्कृत व्याख्या।
 इकाई—2 गीता के दो श्लोको में से एक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या।
 इकाई—3 सुन्दरकाण्ड (अध्याय 15) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
 इकाई—4 मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) दो श्लोको में से एक की हिन्दी में व्याख्या।
 इकाई—4 भारतीय दर्शन से सम्बन्धित दो सामान्य प्रश्नों में से एक का उत्तर।

खण्ड (स)

प्रश्न संख्या 12 का विभाजन इस प्रकार होगा—

(अ) तर्क संग्रह में से ही 2 में से 1 की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या

(ब) गीता (द्वितीय अध्याय) में से दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके —

1. तर्क संग्रह— आचार्य भाषराज " र्मा
2. तर्क संग्रह— डॉ. चन्द्र भाखर द्विवेदी
3. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)— डॉ. विश्वनाथ भार्मा
4. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)— डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
5. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)— डॉ. यभावन्त कुमार जोभा
6. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)— डॉ. राकेभा भास्त्री
7. रामायण—सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)—प्रो. श्यामलाल भार्मा
8. रामायण—सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)— डॉ. इन्द्रारानी गुप्ता
9. रामायण—सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)— डॉ. हिमा गुप्ता
10. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)— डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
11. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)— डॉ. प्रभाकर भास्त्री
12. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)— डॉ. यभावन्त कुमार जोभा
13. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त— डॉ. यभावन्त कुमार जोभा
14. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त— डॉ. बलदेव उपाध्याय
15. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त— डॉ. रामप्रकाश सारस्वत

द्वितीय प्रश्न पत्र — काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध

समय 3 घंटे

न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36

पूर्णांक —100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है —

खण्ड अ— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक—10**

खण्ड ब— इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक—50**

खण्ड स— प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक—40**

विशेष:— प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14, 15 के निर्माण के समय किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), विश्रुतचरितम् एवं नीतिशतकम् में से प्रत्येक पर एक-एक प्रश्न का निर्माण करे।

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा —

1. इकाई प्रथम — महाकाव्य — किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय — गद्यकाव्य — विश्रुतचरितम्
3. इकाई तृतीय — नीतिकाव्य — नीतिशतकम्
4. इकाई चतुर्थ — व्याकरण — (तिङन्त एवं वाच्यपरिवर्तन)
5. इकाई पंचम — निबन्ध

निर्देश — खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम— किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) से दो श्लोको में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या।

इकाई द्वितीय— विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या ।

इकाई तृतीय— नीतिशतकम् से दो श्लोकों में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या ।

इकाई चतुर्थ— 10 वाक्यों में से पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन ।

इकाई पंचम— संस्कृत निबन्ध रचना (जिनके विषय निम्न प्रकार है)

कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीय—संस्कृतः, संस्कृत—भाषायाः महत्त्व, परोपकारः, सत्संगतिः, परिश्रमः विद्यायाः महत्त्वम्, स्त्री—शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्त्वम्, पर्यावरणप्रदूषण समस्या समाधानं च, राष्ट्रनिर्माण यूना योगदानम्, अभिनवजनसंचा

खण्ड 'स'

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। लघु सिद्धान्त कौमुदी-तिङन्त प्रकरण

(भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, रुध्, तन्, डुकृञ् एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ् लकारों में रूप सिद्धि)

(अ) निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों में से चार धातु रूपों की रूप सिद्धि

अंक-10 (4×2.5)

(ब) पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों में से चार सूत्रों की व्याख्या

अंक-10 (4×2.5)

छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके -

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - डा.विश्वनाथ शर्मा
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - डॉ. यभावन्त कुमार जोभा
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - डॉ. राके" । भास्त्री
4. विश्रुतचरितम् - डॉ. विश्वनाथ भार्मा
5. नीतिशतकम् - डॉ. यभावन्त कुमार जोभा
6. नीतिशतकम् - डॉ. राकेश " ास्त्री
7. नीतिशतकम् - डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी - डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी - डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. संस्कृत निबंध कलिका - प्रो. रामजी उपाध्याय
11. निबंध चतकम् - डॉ. कपिल देव द्विवेदी
12. संस्कृत निबंध निकुंज - डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी

द्वितीय वर्ष ज्योतिष एवं वास्तु

प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

- क. कुण्डली विचार**
20
1. द्वादश भावों की संज्ञा व भावों के नाम और उनसे विचारणीय विषय
 2. भाव व राशि में भेद
 3. भावों के कारक ग्रह
- ख. फलित विचार**
30
1. राशियों के स्वरूप, कारकत्व, प्रकृति, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
 2. ग्रहों की प्रकृति, स्वरूप, कारकत्व, गुणधर्म एवं विचारणीय विषय
 3. ग्रहों की दृष्टि, उच्च-नीच-मूल त्रिकोणादि विचार
 4. ग्रहों की नैसर्गिक, तात्कालिक व पंचधा मैत्री
- ग. कुण्डली फलित**
50
1. द्वादश लग्न फल
 2. ग्रहों के राशि व भाव फल, भावेश फल, ग्रहों का युति फल
 3. बालारिष्ट व बालारिष्ट परिहार
आयु विचार

द्वितीय प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

- क. ग्रह एवं भाव बल साधन**
30
- ख. लघु पाराशरी अध्ययन**
40
1. संज्ञाध्याय
 2. योगाध्याय
 3. मारकाध्याय
 4. दशालाध्याय
 5. मिश्रकाध्याय
- ग. विविध योग**
1. नाभस योग
 2. पंच महापुरुष योग

3. अन्य विविध योग

संदर्भ पुस्तकें : लघु जातकम्, सुगम ज्योतिष प्रवेशिका, सचित्र ज्योतिष शिक्षा – प्रारंभिक ज्ञान
खण्ड एवं फलित खण्ड द्वितीय भाग, षडबल रहस्य – ले. कृष्णकुमार,
लघु पाराशरी सिद्धांत – ले. मेजर एस.जी. खोत

तृतीय वर्ष
ज्योतिष एवं वास्तु

प्रथम प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम व अंक योजना

क.	वास्तु प्रकरण	100
	1. वास्तु परिभाषा, वास्तु स्वरूप परिचय	
	2. भूमि का महत्व, परीक्षण एवं भूखण्डों का परिचय	
	3. विविध कक्षों के निर्माण की दिशा, विविध व्यक्तियों हेतु गृहों का परिमाप, वीथी व विन्यास	
	4. वास्तु चक्र का ज्ञान, वास्तु पुरुष के मर्म स्थानों का ज्ञान	
	5. 32 दरवाजों के नाम वफल, द्वारवेध व उपद्रव फल	
	6. व्यवसायिक वास्तु, बहुमंजिला वास्तु	
	7. वास्तु दोषों का परिचय एवं परिहार	
	8. आयादि षडवर्ग का प्रायोगिक ज्ञान, भवन की आयु का ज्ञान	
	9. मुहूर्त चिंतामणी का वास्तु प्रकरण एवं गृह प्रवेश प्रकरण	

द्वितीय प्रश्न पत्र पाठ्यक्रम व अंक योजना

क.	मुहूर्त	50
	1. नक्षत्रों के स्वामी व उनकी संज्ञायें तथा उनमें किये जाने वाले कार्य	
	2. यात्रा मुहूर्त	
	3. विवाह मुहूर्त, मांगलिक दोष विचार व परिहार, अष्टकूट मेलापक	
	4. क्रय विक्रय मुहूर्त, औषधि सेवन मुहूर्त, देव प्रतिष्ठा मुहूर्त, ऋण लेन-देन मुहूर्त	
	5. अन्य उपयोगी मुहूर्त (संस्कार जन्य, नौकरी जोड़न आदि)	

ख.	प्रश्न विचार	50
----	--------------	----

1. प्रथम – द्वितीय – तृतीयादि प्रश्नों की समाधान विधि
 2. कार्यसिद्धि प्रश्न, प्रवासी प्रश्न, विवाह प्रश्न, नौकरी व व्यवसाय प्रश्न, संतान प्रश्न
 3. जय पराजय प्रश्न, रोगी विषयक प्रश्न, नष्ट वस्तु प्राप्ति प्रश्न
-
-

संदर्भ पुस्तकें : वास्तु रत्नाकर, वास्तु माला, भवन भास्कर, मुहूर्त चिंतामणि, षटपंचाषिका,
प्रश्न मार्ग